चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 16 सितंबर 2026, अंक –358.

प्रस्तुतिः- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

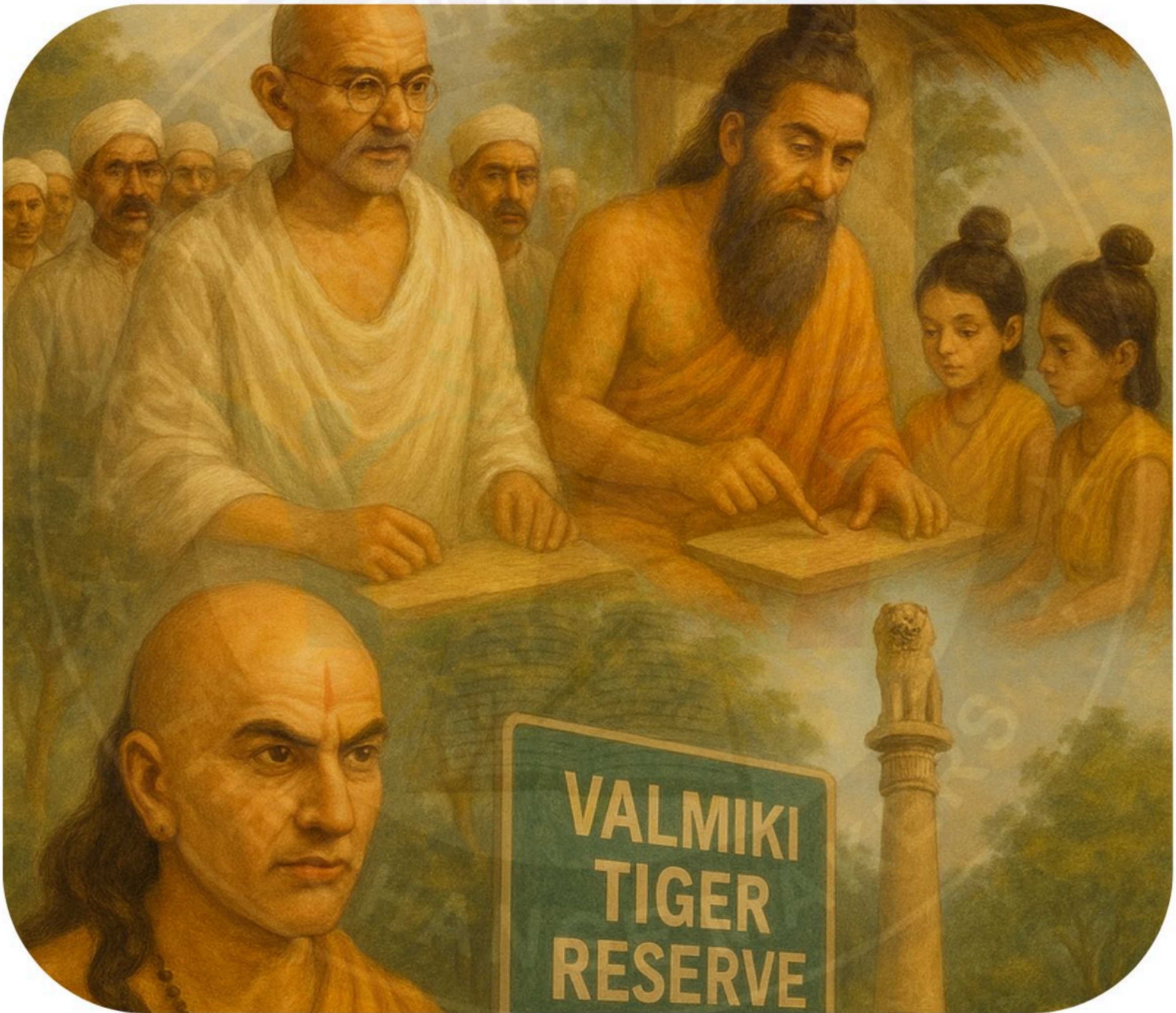

"सत्य सूर्य की तरह है, जिसे ज्यादा देर तक छिपाया नहीं जा सकता।" — बुद्ध

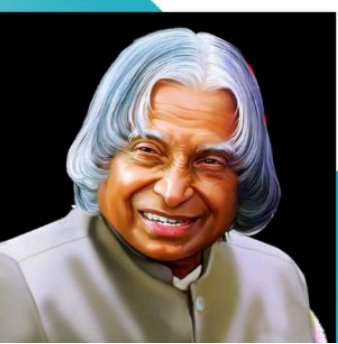

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादकः- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Wednesday Prayer

तू ही राम है, तू रहीम है,
तू करीम कृष्ण खुदा हुआ।
तू ही वाहे गुरु तू यीशू मसीह
हर नाम में तू समा रहा।
तू ही राम है..।

तेरी जात पाक कुरान में,
तेरा दरस वेद पुराण में।
गुरु ग्रन्थजी क ़े बखान में,
तू प्रकाश अपना दिखा रहा।
तू ही राम है..।

अरदास है कहीं कीरतन
कहीं रामधुन कहीं आवहन।
विधि भेद का यह है सब रचन,
तेरा भक्त तुझको बुला रहा।
तू ही राम है..।

तेरा गुण नहीं हम गा सकें,
तुझे कैसे मन में ध्या सके।
है दुआ यहीं तुझे पा सकें,
तेरे दर पे सर ये झुका हुआ।
तू ही राम है..।

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणा: शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. रोमानिया की राजधानी क्या है?
उत्तर: बुखारेस्ट
प्रश्न 2. मिस वर्ल्ड का खिताब जीतने वाली पहली भारतीय महिला कौन थीं?
उत्तर: रीता फारिया
प्रश्न 3. 'कालबेलिया' किस राज्य का प्रसिद्ध लोकनृत्य है?
उत्तर: राजस्थान
प्रश्न 4. 9 × 12 का मान कितना होगा?
उत्तर: 108
प्रश्न 5. बिहार का 'अहिल्या स्थान' किस जिले में स्थित है?
उत्तर: दरभंगा
प्रश्न 6. ऑक्टोपस अपनी रक्षा के लिए किस विशेष क्षमता का उपयोग कर सकता है?
उत्तर: रंग बदलना
प्रश्न 7. ज़िपर के आविष्कार से किसका नाम प्रमुख रूप से जुड़ा है?
उत्तर: व्हिटकॉम्ब जडसन
प्रश्न 8. धन विधेयक (Money Bill) संसद के किस सदन में प्रस्तुत किया जाता है?
उत्तर: लोकसभा
प्रश्न 9. 'जिसकी आयु कम हो' — उसके लिए एक शब्द क्या है?
उत्तर: अल्पायु
प्रश्न 10. आकाश सामान्यतः नीला क्यों दिखाई देता है?
उत्तर: प्रकाश प्रकीर्णन

संकलन:-

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

1️⃣ Schoolyard - स्कूलयार्ड - विद्यालय का प्रांगण
2️⃣ Corridor - कॉरिडोर - गलियारा
3️⃣ Blackboard - ब्लैकबोर्ड - श्यामपट्ट
4️⃣ Desk - डेस्क - मेज़ / लेखन-पट्ट
5️⃣ Bench - बेंच - बेंच / बैठने की लंबी सीट
6️⃣ Noticeboard - नोटिसबोर्ड - सूचना-पट्ट
7️⃣ Register - रजिस्टर - पंजिका / रजिस्टर

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

आज का Structure: "Are we going to + V1?"
(क्या हम ... करने वाले हैं?)

क्या हम आज पार्क जाने वाले हैं? – Are we going to go to the park today?
क्या हम एक कहानी पढ़ने वाले हैं? – Are we going to read a story?
क्या हम आज क्रिकेट खेलने वाले हैं? – Are we going to play cricket today?
क्या हम अपने शिक्षक से मिलने वाले हैं? – Are we going to meet our teacher?
क्या हम मिलकर एक चित्र बनाने वाले हैं? – Are we going to draw a picture together?

संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. प्रतिवर्ष 16 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र द्वारा 1987 के मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर की स्मृति में कौन-सा अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण दिवस मनाया जाता है? (महत्वपूर्ण दिवस)
उत्तर: विश्व ओजोन दिवस (World Ozone Day)
व्याख्या: प्रतिवर्ष 16 सितंबर को वैश्विक स्तर पर 'विश्व ओजोन दिवस' (अंतरराष्ट्रीय ओजोन परत संरक्षण दिवस) मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 1994 में 16 सितंबर 1987 को हस्ताक्षरित ऐतिहासिक 'मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल' की स्मृति में इस दिवस की घोषणा की थी। इसका मुख्य उद्देश्य समताप मंडल में स्थित ओजोन परत के क्षरण के कारणों के प्रति जागरूकता फैलाना तथा क्लोरोफ्लोरोकार्बन (CFC) और हैलोन जैसे हानिकारक ओजोन-क्षयकारी पदार्थों (ODS) के उत्पादन व उपयोग को पूरी तरह समाप्त करने के प्रति वैश्विक प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करना है।
संदर्भ: UN General Assembly Resolution 49/114;

प्र.2. सितंबर 2026 में भारत के किस प्रमुख स्वदेशी हल्के लड़ाकू विमान (LCA) के उन्नत 'मार्क-1A' (Mk-1A) संस्करण के पहले पूर्ण स्क्वाड्रन को भारतीय वायुसेना में औपचारिक रूप से शामिल किया गया? (समसामयिक घटना)
उत्तर: तेजस मार्क-1A (LCA Tejas Mk-1A)
व्याख्या: सितंबर 2026 में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) द्वारा निर्मित स्वदेशी 4.5 पीढ़ी के सुपरसोनिक लड़ाकू विमान 'तेजस मार्क-1A' के पूर्ण स्क्वाड्रन को भारतीय वायुसेना में शामिल किया गया। यह विमान अत्याधुनिक उत्तम एईएसए (AESA) रडार, इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सूट, हवा से हवा में लंबी दूरी तक मार करने वाली बियॉन्ड विजुअल रेंज (BVR) 'अस्त्र' मिसाइल और हवा में ईंधन भरने की उन्नत प्रणाली से सुसज्जित है। यह भारतीय वायु रक्षा तंत्र को आत्मनिर्भरता के साथ सीमावर्ती क्षेत्रों में तीव्र सामरिक मारक क्षमता प्रदान करता है।
संदर्भ: Ministry of Defence Press Release September 2026;

प्र.3. मुंशी प्रेमचंद द्वारा रचित वह कौन-सा प्रसिद्ध हिंदी उपन्यास है, जिसमें 1920 के दशक के राष्ट्रीय स्वाधीनता आंदोलन, औपनिवेशिक सत्ता के अत्याचार और 'सूरदास' नामक अंधे भिखारी के अदम्य सत्याग्रह का चित्रण है? (पुस्तक एवं लेखक)
उत्तर: रंगभूमि (1925)
व्याख्या: 'रंगभूमि' (1925) मुंशी प्रेमचंद द्वारा रचित हिंदी साहित्य का एक युगांतरकारी और विशाल उपन्यास है। इसकी कथा तत्कालीन बनारस के निकट 'पांडेयपुर' गाँव के एक अंधे, निर्धन किंतु नैतिक रूप से अजेय भिखारी 'सूरदास' के इर्द-गिर्द घूमती है। उपन्यास में एक उद्योगपति (मि. क्लार्क और जॉन सेवक) द्वारा सूरदास की पूर्वजों की जमीन पर सिगरेट का कारखाना लगाने के लिए किए जाने वाले अनैतिक प्रयासों और सूरदास के शांतिपूर्ण, गांधीवादी सत्याग्रह का अत्यंत सजीव व महाकाव्यात्मक चित्रण किया गया है। सूरदास का चरित्र भारतीय स्वाधीनता संग्राम के नैतिक संकल्प का प्रतीक है।
संदर्भ: मुंशी प्रेमचंद — 'रंगभूमि', हंस प्रकाशन/राजकमल प्रकाशन;

प्र.4. पारिस्थितिक तंत्र में किसी दिए गए समय में प्रति इकाई क्षेत्र में उपस्थित सभी सजीव पदार्थों के कुल शुष्क भार अथवा जैविक सामग्री को क्या कहा जाता है? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)
उत्तर: खड़ी फसल (स्टैंडिंग क्रॉप / Standing Crop)
व्याख्या: किसी पारिस्थितिक तंत्र के प्रत्येक पोषण स्तर पर एक विशिष्ट समय में जीवित कार्बनिक पदार्थों की कुल मात्रा उपस्थित होती है, जिसे 'खड़ी फसल' (Standing Crop) कहा जाता है। इसे सामान्यतः जीवों के ताजे भार (Fresh Weight) के बजाय 'शुष्क भार' (Dry Weight/Biomass) या प्रति इकाई क्षेत्रफल में जीवों की कुल संख्या के रूप में मापा जाता है। शुष्क भार का उपयोग इसलिए किया जाता है क्योंकि ताजे भार में जल की मात्रा मौसम और आर्द्रता के अनुसार बदलती रहती है, जबकि शुष्क भार जीव के वास्तविक कार्बनिक द्रव्यमान और संचित जैव-ऊर्जा का सटीक मान प्रस्तुत करता है।
संदर्भ: NCERT Biology Class 12, Ch 14 "पारितंत्र" (Ecosystem), p. 261–263; NCERT Science Class 10, Ch 15 "हमारा पर्यावरण", p. 257–260;

प्र.5. 1917 में महात्मा गांधी ने भारत में पहली बार 'सत्याग्रह' का सफल प्रयोग बिहार के किस जिले में यूरोपीय नीलहे बगान मालिकों की 'तिनकठिया प्रणाली' के विरुद्ध किया था? (इतिहास)
उत्तर: चंपारण सत्याग्रह (Champaran Satyagraha)
व्याख्या: 1917 का 'चंपारण सत्याग्रह' महात्मा गांधी का भारत की धरती पर पहला सफल सविनय अवज्ञा आंदोलन था। चंपारण के स्थानीय किसान पंडित राजकुमार शुक्ल के विशेष आग्रह पर गांधी जी अप्रैल 1917 में मोतिहारी पहुंचे। वहां ब्रिटिश बागान मालिकों द्वारा जबरन लागू 'तिनकठिया व्यवस्था' के तहत किसानों को अपनी कुल कृषि भूमि के प्रत्येक 20 कट्ठे में से 3 कट्ठे पर अनिवार्य रूप से नील (Indigo) की खेती करनी पड़ती थी। गांधी जी के अहिंसक प्रतिरोध और जांच समिति के समक्ष अकाट्य साक्ष्य प्रस्तुत करने के बाद ब्रिटिश सरकार झुकी, तिनकठिया प्रथा समाप्त हुई और अवैध वसूली का 25% धन किसानों को वापस लौटाया गया। इसी आंदोलन के दौरान रवीन्द्रनाथ टैगोर ने उन्हें 'महात्मा' की उपाधि दी थी।
संदर्भ: NCERT History Class 8 (हमारे अतीत-3), Ch 9 "राष्ट्रीय आंदोलन का संघटन", p. 114–116;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.6. राजस्थान के अजमेर जिले में अरावली पहाड़ियों से घिरी वह कौन-सी प्रसिद्ध प्राकृतिक मीठे पानी की झील है, जिसके तट पर भारत का एकमात्र प्रमुख भगवान ब्रह्मा का मंदिर स्थित है? (भूगोल)

उत्तर: पुष्कर झील (Pushkar Lake)

व्याख्या: पुष्कर झील राजस्थान के अजमेर जिले के पुष्कर नगर में अरावली पर्वत श्रृंखला की वादियों में स्थित एक अत्यंत पवित्र प्राकृतिक मीठे पानी की झील है। हिंदू मान्यताओं के अनुसार इसे 'तीर्थराज' कहा जाता है। इसके चारों ओर 52 पक्के घाट बने हुए हैं जहाँ श्रद्धालु पवित्र स्नान करते हैं। झील के किनारे विश्व का सर्वाधिक महत्वपूर्ण और प्राचीन भगवान ब्रह्मा का चतुर्मुखी मंदिर स्थित है, जिसका निर्माण 14वीं शताब्दी में गोकुल चंद पारीक द्वारा कराया गया माना जाता है। प्रतिवर्ष कार्तिक पूर्णिमा (अक्टूबर-नवंबर) पर यहाँ विश्वविख्यात 'पुष्कर मेला' आयोजित होता है, जो पशु व्यापार और राजस्थानी लोक संस्कृति का संगम है।

संदर्भ: NCERT Geography Class 9 (समकालीन भारत-1), Ch 3 "अपवाह", p. 22–24;

प्र.7. भारतीय संविधान का कौन-सा अनुच्छेद भारतीय नागरिकों के 'मौलिक कर्तव्यों' (Fundamental Duties) को परिभाषित करता है, जिसे 42वें संविधान संशोधन 1976 द्वारा जोड़ा गया था? (राजनीति एवं संविधान)

उत्तर: अनुच्छेद 51A (भाग-IV A)

व्याख्या: मूल भारतीय संविधान में नागरिकों के कर्तव्यों का उल्लेख नहीं था। वर्ष 1976 में 42वें संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा पूर्व सोवियत संघ (USSR) के संविधान से प्रेरित होकर तथा सरदार स्वर्ण सिंह समिति की सिफारिशों के आधार पर संविधान में एक नया भाग-IV A और 'अनुच्छेद 51A' जोड़ा गया। आरंभ में इसमें 10 मौलिक कर्तव्य शामिल थे। बाद में 86वें संविधान संशोधन 2002 द्वारा 11वां कर्तव्य जोड़ा गया, जिसमें 6 से 14 वर्ष की आयु के बच्चों को शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराना माता-पिता/अभिभावक का दायित्व बनाया गया। ये कर्तव्य न्यायोचित (न्यायालय द्वारा सीधे प्रवर्तनीय) नहीं हैं, किंतु ये राष्ट्रीय एकता और नागरिक मर्यादा को बनाए रखने के मार्गदर्शक सिद्धांत हैं।

संदर्भ: Constitution of India, Part IV-A, Article 51A; NCERT Political Science Class 11 (भारत का संविधान: सिद्धांत और व्यवहार), Ch 2 Fundamental Rights and Duties, p. 44–48.

प्र.8. किसी तार का विद्युत प्रतिरोध उसकी लंबाई के सीधे समानुपाती और उसके अनुप्रस्थ काट के क्षेत्रफल (मोटाई) के व्युत्क्रमानुपाती होने पर उस तार के पदार्थ के विशिष्ट गुण को क्या कहते हैं? (विज्ञान)

उत्तर: प्रतिरोधकता (विशिष्ट प्रतिरोध / Resistivity)

व्याख्या: किसी एकसमान चालक तार का विद्युत प्रतिरोध (R) उसकी लंबाई (l) के अनुक्रमानुपाती तथा उसकी मोटाई/अनुप्रस्थ काट के क्षेत्रफल (A) के व्युत्क्रमानुपाती होता है, अर्थात $R = \rho (l / A)$। यहाँ ρ (रो) एक समानुपाती नियतांक है जिसे उस पदार्थ की 'विद्युत प्रतिरोधकता' (Electrical Resistivity) या विशिष्ट प्रतिरोध कहा जाता है। इसका SI मात्रक 'ओम-मीटर' ($\Omega\cdot\text{m}$) होता है। प्रतिरोधकता तार के आकार या लंबाई पर निर्भर नहीं करती, बल्कि केवल पदार्थ की प्रकृति और तापमान पर निर्भर करती है। धातुओं की प्रतिरोधकता बहुत कम (10^{-8} से $10^{-6}\ \Omega\cdot\text{m}$) होती है, जबकि विद्युतरोधी पदार्थों (जैसे रबर, कांच) की बहुत अधिक (10^{12} से $10^{17}\ \Omega\cdot\text{m}$) होती है।

संदर्भ: NCERT Science Class 10, Ch 12 "विद्युत" (Electricity), p. 230–234;

प्र.9. 16वीं शताब्दी में मुगल सम्राट अकबर द्वारा फतेहपुर सीकरी में गुजरात विजय के उपलक्ष्य में लाल बलुआ पत्थर और सफेद संगमरमर से बनवाया गया भारत का सबसे ऊंचा प्रवेश द्वार कौन-सा है? (कला एवं संस्कृति)

उत्तर: बुलंद दरवाजा (Buland Darwaza)

व्याख्या: 'बुलंद दरवाजा' (शाब्दिक अर्थ: महान या भव्य प्रवेश द्वार) उत्तर प्रदेश के आगरा के निकट फतेहपुर सीकरी में जामा मस्जिद के दक्षिणी प्रांगण में स्थित है। इसका निर्माण मुगल सम्राट अकबर ने वर्ष 1575 में अपनी ऐतिहासिक 'गुजरात विजय' की स्मृति में करवाया था। जमीन से इसकी कुल ऊंचाई लगभग 54 मीटर (176 फीट) है, जो इसे भारत और विश्व के सबसे ऊंचे प्रवेश द्वारों में स्थान दिलाती है। यह लाल और पीले बलुआ पत्थर से बना है तथा इस पर सफेद संगमरमर की पच्चीकारी (Pietra Dura) और कुरान की आयतें उकेरी गई हैं। इसके केंद्रीय मेहराब पर ईसा मसीह का एक प्रसिद्ध सहिष्णुतावादी कथन भी उत्कीर्ण है।

संदर्भ: NCERT History Class 7 (हमारे अतीत-2), Ch 5 "शासक और इमारतें", p. 66–70;

प्र.10. 1936 में अखिल भारतीय किसान सभा के प्रथम सम्मेलन (लखनऊ) में सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुने गए बिहार के किसान आंदोलन के जनक कौन थे? (बिहार सामान्य ज्ञान)

उत्तर: स्वामी सहजानंद सरस्वती

व्याख्या: स्वामी सहजानंद सरस्वती (1889–1950) भारत और बिहार में आधुनिक किसान चेतना एवं संगठित कृषक आंदोलन के सबसे बड़े प्रणेता थे। उन्होंने बिहार के बिहटा (पटना) को अपना आश्रम बनाकर जमींदारी प्रथा, बकाश्त भूमि और किसानों के आर्थिक शोषण के विरुद्ध आजीवन संघर्ष किया। उन्होंने 1929 में 'बिहार प्रांतीय किसान सभा' (BPKS) की स्थापना की। इसके उपरांत अप्रैल 1936 में लखनऊ में स्थापित 'अखिल भारतीय किसान सभा' (AIKS) के वे प्रथम अध्यक्ष चुने गए, जबकि प्रो. एन. जी. रंगा इसके महासचिव बने। उनका प्रसिद्ध नारा "कैसे लोगे मालगुजारी, लट्ठ हमारा जिंदाबाद" किसानों में स्वाभिमान का प्रतीक बना।

संदर्भ: NCERT History Class 12 (Themes in Indian History Part-3), Ch 13, p. 352–356;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. 'मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम' (BDMC कैलेंडर: सितंबर W2 – सड़क एवं रेल दुर्घटना से बचाव) के अनुसार सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति के जीवन रक्षा हेतु 'स्वर्णिम घंटा' (Golden Hour) क्या है और 'नेक मददगार' (Good Samaritan) को क्या कानूनी सुरक्षा प्राप्त है? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)

उत्तर: दुर्घटना के बाद का पहला घंटा; पुलिस पूछताछ व कानूनी झंझटों से पूर्ण संरक्षण

व्याख्या: बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (BSDMA) के 'सुरक्षित शनिवार' कैलेंडर (सितंबर W2: सड़क एवं रेल दुर्घटना से बचाव) और केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय के अनुसार: (1) 'गोल्डन आवर' (Golden Hour) सड़क दुर्घटना के तुरंत बाद का प्रथम 60 मिनट का समय होता है; यदि इस एक घंटे के भीतर गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को रक्तस्राव रोकते हुए प्राथमिक चिकित्सा और नजदीकी अस्पताल पहुँचा दिया जाए, तो उसके बचने की संभावना 80% तक बढ़ जाती है; (2) 'नेक मददगार' (Good Samaritan Law) – माननीय सर्वोच्च न्यायालय के दिशानिर्देशों के अनुसार, घायल की मदद करने वाले किसी भी नागरिक को पुलिस द्वारा गवाह बनने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता, न ही अस्पताल में उससे पैसे मांगे जाएंगे और न ही उसका नाम-पता जबरन दर्ज कराया जाएगा; ऐसे मददगार को सरकार द्वारा प्रोत्साहन राशि भी दी जाती है।

संदर्भ: BSDMA Safe Saturday Training Module September W2 – "सड़क/रेल दुर्घटना से बचाव के संदर्भ में जानकारी"

प्र.12. दो संख्याओं का महत्तम समापवर्तक (HCF) 12 है तथा उनका लघुत्तम समापवर्त्य (LCM) 240 है। यदि उनमें से एक संख्या 48 है, तो दूसरी संख्या क्या होगी? (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग)

उत्तर: 60

व्याख्या: यह वास्तविक संख्याओं और उनके ल.स. व म.स. के मूलभूत गणितीय संबंध पर आधारित प्रश्न है।

सूत्र: दो संख्याओं का गुणनफल = (उनका HCF) * (उनका LCM)

अर्थात: पहली संख्या * दूसरी संख्या = HCF * LCM

यहाँ दिया गया है: HCF = 12, LCM = 240, पहली संख्या = 48, माना दूसरी संख्या = x, मान सूत्र में रखने पर:
48 * x = 12 * 240, पक्षांतरण करने पर:, x = (12 * 240) / 48, 12 से 48 को काटने पर: 48 / 12 = 4,
x = 240 / 4 = 60, अतः दूसरी अभीष्ट संख्या 60 होगी।

(जाँच: 48 और 60 का HCF: 48 = 12 * 4, 60 = 12 * 5, अतः उभयनिष्ठ गुणनखंड = 12; LCM = 12 * 4 * 5 = 240)।

GS संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

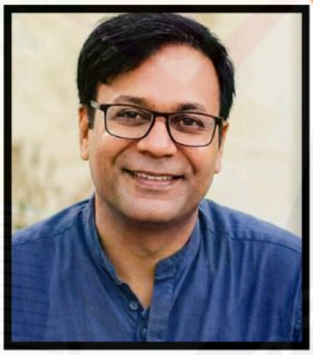

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

1. Garrulity (गैरुलिटी) = Loquacity (लोक्वैसिटी) = वाचालता / बहुत बोलने की प्रवृत्ति
   Antonym – Reticence (रेटिसेन्स) = अल्पभाषिता / मौन रहने की प्रवृत्ति
2. Hubris (ह्यूब्रिस) = Arrogance (ऐरोगेन्स) = अहंकार / अतिआत्मविश्वास
   Antonym – Humility (ह्यूमिलिटी) = विनम्रता / नम्रता
3. Inculcate (इन्कलकेट) = Instill (इन्स्टिल) = मन में बैठाना / आदत या विचार विकसित करना
   Antonym – Eradicate (इरेडिकेट) = जड़ से मिटाना
4. Lucid (लूसिड) = Clear (क्लियर) = स्पष्ट / सुबोध
   Antonym – Obscure (ऑब्स्क्योर) = अस्पष्ट / गूढ़
5. Mitigate (मिटिगेट) = Alleviate (अलीविएट) = कम करना / तीव्रता घटाना
   Antonym – Aggravate (ऐग्रवेट) = और गंभीर करना / बढ़ाना

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

Cabinet approves NEP 2020 implementation report; launches PM-SHRI Universities Phase-II with ₹22,000 crore allocation
हिन्दी अनुवाद: मंत्रिमंडल ने NEP 2020 कार्यान्वयन रिपोर्ट स्वीकृत की; PM-SHRI यूनिवर्सिटीज फेज-II का शुभारंभ 22,000 करोड़ रुपये के आवंटन के साथ।�
Union Cabinet ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की छह वर्षीय कार्यान्वयन रिपोर्ट को मंजूरी दी और 50 केंद्रीय विश्वविद्यालयों व 100 राज्य विश्वविद्यालयों को 2030 तक वैश्विक स्तर की संस्थाओं में उन्नत करने के लिए PM-SHRI यूनिवर्सिटीज स्कीम फेज-II लॉन्च की। यह पहल उच्च शिक्षा की गुणवत्ता और अनुसंधान क्षमता को बढ़ावा देगी। UPSC/BPSC के लिए: NEP 2020 — 34 वर्ष बाद भारत की नई शिक्षा नीति; PM-SHRI — PM Schools for Rising India; 5+3+3+4 ढांचा।

CCS approves ₹1.44 lakh crore 'Mission Anant' for Indian Navy; 18 warships to be built under Make in India
हिन्दी अनुवाद: CCS ने भारतीय नौसेना के लिए 1.44 लाख करोड़ रुपये का 'मिशन अनंत' स्वीकृत; 18 युद्धपोत मेक इन इंडिया के तहत बनेंगे।�
Cabinet Committee on Security (CCS) ने 14 सितंबर को भारतीय नौसेना के बेड़े के विस्तार के लिए 'मिशन अनंत' को मंजूरी दी। इसमें दो अगली पीढ़ी के स्टील्थ डिस्ट्रॉयर, छह मल्टी-पर्पस फ्रिगेट्स, छह उन्नत पनडुब्बियाँ, दो सर्वेक्षण जहाज और दो ऑफशोर पेट्रोल वेसल्स शामिल हैं। सभी जहाज भारतीय शिपयार्ड में बनेंगे। UPSC/BPSC के लिए: CCS — कैबिनेट समिति सुरक्षा; Make in India — घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा; INS Vikrant — भारत का पहला स्वदेशी विमानवाहक पोत।

National Engineers' Day: PM Modi pays tribute to Sir M. Visvesvaraya; hails engineers as 'Karmayogis' of nation-building
हिन्दी अनुवाद: राष्ट्रीय इंजीनियर्स दिवस: PM मोदी ने सर एम. विश्वेश्वरैया को श्रद्धांजलि दी; इंजीनियरों को राष्ट्र-निर्माण के 'कर्मयोगी' कहा।�
15 सितंबर को सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की 165वीं जयंती पर पूरे देश में इंजीनियर्स दिवस मनाया गया। PM मोदी ने इंजीनियरों को 'कर्मयोगी' कहा जो नवाचार, बुनियादी ढांचा विकास और तकनीकी प्रगति के माध्यम से भारत को आगे बढ़ा रहे हैं। 2026 की थीम — "Smart engineering for a sustainable future through innovation and digitalisation" है। UPSC/BPSC के लिए: Sir M. Visvesvaraya — भारत रत्न (1955), दिवान मैसूर (1912-18); Krishna Raja Sagara Dam — उनका प्रमुख कार्य।

INTERNATIONAL NEWS

Iran rejects talks with US after Trump remarks; Security Council to meet on Middle East war
हिन्दी अनुवाद: ईरान ने ट्रम्प के बयान के बाद US के साथ बातचीत से मना किया; सुरक्षा परिषद मध्य पूर्व युद्ध पर बैठक करेगी।�
ईरान के सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सचिव मोहसेन रेज़ाई ने कहा कि US राष्ट्रपति के मिश्रित संकेतों से भ्रमित नहीं होंगे। UN सुरक्षा परिषद मंगलवार को मध्य पूर्व संघर्ष पर बैठक करेगी। जून 17 का MoU 60-दिन की शांति वार्ता के लिए था, लेकिन होर्मुज़ जलडमरूमध्य में तनाव जारी है। UPSC/BPSC के लिए: UNSC — संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद; Strait of Hormuz — वैश्विक तेल आपूर्ति का 20% मार्ग; MoU — समझौता ज्ञापन।

Saudi Arabia warns of 'firm' response to Houthi attacks; 13 injured in missile and drone strikes
हिन्दी अनुवाद: सऊदी अरब ने हूति हमलों पर 'सख्त' प्रतिक्रिया की चेतावनी दी; मिसाइल और ड्रोन हमलों में 13 घायल।�
सऊदी अरब ने यमन के हूति विद्रोहियों द्वारा किए गए बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन हमलों के बाद कहा कि वह 'दृढ़ता से' प्रतिक्रिया देगा। हूतियों ने दावा किया कि उन्होंने सऊदी के एक प्रमुख सैन्य ठिकाने को नुकसान पहुंचाया है। सऊदी वायु सेना ने हूति ठिकानों पर दर्जनों एयर स्ट्राइक किए। UPSC/BPSC के लिए: Houthis — अंसार अल्लाह, यमन के विद्रोही; GCC — खाड़ी सहयोग परिषद; Red Sea — लाल सागर।

UN chief Guterres warns of rising attacks on nuclear facilities; calls for careful oversight of nuclear power revolution
हिन्दी अनुवाद: UN महासचिव गुटेरेस ने परमाणु सुविधाओं पर हमलों में वृद्धि पर चेतावनी दी; परमाणु ऊर्जा क्रांति के सावधानीपूर्वक प्रबंधन का आह्वान किया।�
एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि दुनिया परमाणु ऊर्जा उत्पादन में क्रांति की कगार पर खड़ी है जिसके लिए सावधानीपूर्वक प्रबंधन और निगरानी की आवश्यकता है। यह बयान IAEA महासम्मेलन के दौरान आया जहाँ ईरान के परमाणु प्रमुख को US के विरोध के बाद वीजा छूट नहीं मिली थी। UPSC/BPSC के लिए: IAEA — अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी; NPT — परमाणु अप्रसार संधि; UNSC Resolution 1540 — परमाणु आतंकवाद रोकथाम।

BIHAR NEWS

Bihar floods: CM transfers ₹579.23 crore to 8.27 lakh families via DBT; ₹7,000 per family
हिन्दी अनुवाद: बिहार बाढ़: CM ने 8.27 लाख परिवारों को DBT के माध्यम से 579.23 करोड़ रुपये हस्तांतरित किए; प्रति परिवार 7,000 रुपये।�
मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने 15 सितंबर को पटना में एक समारोह में 15 जिलों के 8,27,472 बाढ़ प्रभावित परिवारों के बैंक खातों में सीधे 579.23 करोड़ रुपये हस्तांतरित किए। प्रत्येक परिवार को 7,000 रुपये की राहत सहायता मिली। CM ने कहा कि बिहार को इस वर्ष 30% से कम वर्षा मिली है, लेकिन पड़ोसी राज्यों और नेपाल में भारी बारिश के कारण बाढ़ आई है। UPSC/BPSC के लिए: DBT – Direct Benefit Transfer; SDMA – राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण; NDRF/SDRF – राष्ट्रीय/राज्य आपदा मोचन बल।

Central team led by Shivraj Singh Chouhan to visit Bihar on September 16 to assess flood damage
हिन्दी अनुवाद: शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में केंद्रीय टीम 16 सितंबर को बिहार बाढ़ क्षति का आकलन करने आएगी।�
गृह मंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में एक केंद्रीय टीम 16 सितंबर को पटना पहुंचेगी और 15 जिलों में बाढ़ से हुए नुकसान का आकलन करेगी। लगभग 49.67-49.72 लाख लोग प्रभावित हैं। गंगा, सोन और गंडक नदियों का जलस्तर घटने लगा है, लेकिन नदियां अभी भी खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। कोसी बैराज पर 1,66,265 क्यूसेक और गंडक बैराज पर 81,800 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। UPSC/BPSC के लिए: Central team – गृह मंत्रालय द्वारा गठित; flood assessment – NDMA दिशानिर्देशों के अनुसार।

SPORTS NEWS

India prepares for Asian Games 2026 and FIDE Chess Olympiad; national camps in full swing
हिन्दी अनुवाद: भारत एशियाई खेल 2026 और FIDE चेस ओलंपियाड की तैयारी कर रहा है; राष्ट्रीय शिविर पूर्ण वेग में।�
भारतीय एथलीट एशियाई खेलों के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। FIDE चेस ओलंपियाड के लिए भारतीय ग्रैंडमास्टर राष्ट्रीय शिविरों में अभ्यास कर रहे हैं। यह ओलंपियाड विश्व की सबसे प्रतिष्ठित टीम चेस प्रतियोगिता है। UPSC/BPSC के लिए: Asian Games – चार साल में एक बार, अगला 2026 में नागोया, जापान; FIDE – अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ।

National Engineers' Day: Engineering students participate in innovation challenges across India
हिन्दी अनुवाद: राष्ट्रीय इंजीनियर्स दिवस: इंजीनियरिंग छात्रों ने पूरे भारत में नवाचार चुनौतियों में भाग लिया।�
विभिन्न इंजीनियरिंग कॉलेजों में तकनीकी प्रदर्शनियों, रोबोटिक्स प्रतियोगिताओं और हैकाथॉन का आयोजन किया गया। मध्य प्रदेश के भोपाल में CM मोहन यादव ने इंजीनियरों को सम्मानित किया और PWD ने CSIR-AMPRI के साथ MoU पर हस्ताक्षर किए। UPSC/BPSC के लिए: AICTE – अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद; CSIR – वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण ।

🌱 "तकनीक और नवाचार से ही भारत बनेगा विश्वगुरु ।

प्रेरक प्रसंग

अदृश्य ढाल

(अंतरराष्ट्रीय ओजोन दिवस विशेष)

विज्ञान की कक्षा में मैडम प्रज्ञा ने मेज पर एक छाता रख दिया।
बच्चे हैरान होकर उसे देखने लगे।
मैडम ने पूछा, “छाता किस काम आता है?”
“बारिश और धूप से बचने के लिए!” बच्चों ने एक साथ कहा।
मैडम मुस्कुराईं, “क्या तुम जानते हो, आसमान में भी धरती की रक्षा करने वाली एक अदृश्य ढाल है?”
बच्चों की उत्सुकता बढ़ गई।
उन्होंने बताया, “इसे ओजोन परत कहते हैं। यह सूर्य की हानिकारक किरणों से धरती पर रहने वाले लोगों, पेड़-पौधों और जीव-जंतुओं की रक्षा करती है।”
उन्होंने छाता खोलते हुए कहा, “जैसे छाता हमें तेज धूप से बचाता है, वैसे ही ओजोन परत धरती के लिए सुरक्षा-कवच है।”
अंश ने पूछा, “अगर इस कवच को नुकसान पहुँचे तो?”
मैडम ने समझाया, “तब सूर्य की हानिकारक किरणों से जीवन को अधिक खतरा हो सकता है। इसलिए इसे बचाना हम सभी की जिम्मेदारी है।”
उन्होंने बताया कि कुछ रसायनों के कारण ओजोन परत को नुकसान पहुँचा था। दुनिया के देशों ने मिलकर ऐसे रसायनों का उपयोग कम करने का फैसला किया। मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल इसी वैश्विक प्रयास का महत्वपूर्ण उदाहरण है।
बच्चे कुछ देर छाते को देखते रहे।
अंश बोला, “मैडम, हमें तो ओजोन दिखाई भी नहीं देती, फिर भी वह हमारी रक्षा करती है!”
मैडम ने कहा, “प्रकृति की सबसे जरूरी चीजें हमेशा आँखों से दिखाई नहीं देतीं।”
उस दिन बच्चों ने एक बात याद कर ली– धरती की रक्षा का अर्थ केवल पेड़ लगाना नहीं, बल्कि उसकी हर जरूरी सुरक्षा को समझना और बचाना भी है।

प्रेरक सीख: जो सुरक्षा दिखाई नहीं देती, उसका महत्व कम नहीं होता। प्रकृति की रक्षा आज करेंगे, तभी आने वाली पीढ़ियाँ सुरक्षित रहेंगी।

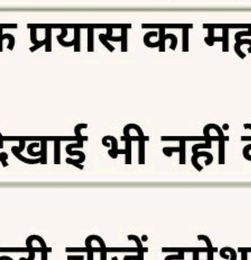

.................✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

"अच्छी ख़बर"

दैनिक भास्कर
बेतिया भास्कर 06-04-2026

संडे पॉज़िटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र|बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

हि विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छूट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01
सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वे अंक मे प्रश्न है, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त मे यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वो का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ मे स्वीच का कार्य, पर्यावरण मे प्राथमिक उत्पादक, मानव मे पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन है। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत मे प्रेरक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026
बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

संवाद सूत्र, जागरण• बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यावहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार,

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

राव, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

सप्तऋषि माडल से सर्वांगीण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि माडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक, संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

> सरकारी विद्यालयों मे इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास मे सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।
> फूदन राम, बीईओ, बगहा दो

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

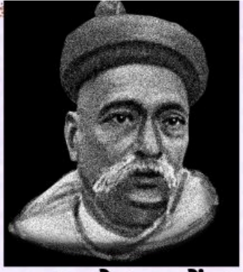

"भारत निर्माता, जीवनी शतकम्"

'लोकमान्य' बाल गंगाधर तिलक

प्यारे बच्चों, क्या आपने कभी यह गूँजता हुआ नारा सुना है—"स्वराज्य मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूँगा!"? यह सिंहगर्जना करने वाले महापुरुष थे—बाल गंगाधर तिलक। उन्होंने सोए हुए भारत में आज़ादी की नई अलख जगाई थी। इसी कारण देश की जनता ने उन्हें बड़े आदर और प्रेम से 'लोकमान्य' कहा, जिसका अर्थ होता है—जिन्हें सभी लोगों ने दिल से अपना मान्य नेता स्वीकार किया हो। उनका जन्म 23 जुलाई 1856 को महाराष्ट्र के खूबसूरत तटीय ज़िले रत्नागिरि के चिखली गाँव में हुआ था। उनके पिता श्री गंगाधर रामचंद्र तिलक एक बहुत ही विद्वान और कर्तव्यनिष्ठ शिक्षक थे, तथा उनकी माता श्रीमती पार्वतीबाई अत्यंत धर्मपरायण, स्नेहमयी और संस्कारी महिला थीं। माता-पिता ने बालक का नाम 'केशव' रखा था, परंतु घर में सब उन्हें लाड़ से 'बाल' पुकारते थे, और आगे चलकर वे 'बाल गंगाधर तिलक' के नाम से जगमगाए।

नन्हे बाल बचपन से ही सच बोलने के पक्के और गणित व संस्कृत के गज़ब के मेधावी छात्र थे। उनके स्कूल के दिनों की एक घटना बहुत मशहूर है। एक दिन कक्षा में किसी बच्चे ने मूँगफली खाकर उसके छिलके फर्श पर बिखेर दिए। जब शिक्षक महोदय कक्षा में आए, तो गंदा फर्श देखकर बहुत नाराज़ हुए। उन्होंने हाथ में छड़ी उठाई और सभी बच्चों से पूछा कि यह शरारत किसने की है। किसी बच्चे ने सच नहीं बताया, तो शिक्षक ने सबको छड़ी से पीटने का फैसला किया। जब नन्हे बाल की बारी आई, तो उन्होंने हाथ आगे करने से साफ मना कर दिया। उन्होंने सीना तानकर कहा, "गुरुजी, मैंने मूँगफली नहीं खाई है और न ही छिलके फेंके हैं, इसलिए मैं मार नहीं खाऊँगा। मैं किसी की झूठी शिकायत नहीं करूँगा, लेकिन बेकसूर होकर सजा भी नहीं भुगतूँगा।" ऐसी निडरता और सच्चाई देखकर शिक्षक भी दंग रह गए।

बड़े होकर उन्होंने सोचा कि देश को जगाने के लिए सबसे पहले बच्चों और युवाओं को अच्छी शिक्षा देना ज़रूरी है। उन्होंने अपने साथियों के साथ मिलकर पुणे में 'न्यू इंग्लिश स्कूल' और 'डेक्कन एजुकेशन सोसाइटी' की स्थापना की। उन्होंने लोगों को जागरूक करने के लिए 'केसरी' (मराठी) और 'द मराठा' (अंग्रेज़ी) नाम के दो ओजस्वी अखबार शुरू किए। इन अखबारों में वे अंग्रेज़ी हुकूमत के अन्यायों की खुलकर पोल खोलते थे। जनता को एकजुट करने और सामाजिक भाईचारा बढ़ाने के लिए उन्होंने 'सार्वजनिक गणेशोत्सव' और 'शिवाजी उत्सव' मनाने की शानदार परंपरा शुरू की, ताकि लोग एक साथ मिलें, त्यौहार मनाएँ और देश की आज़ादी के बारे में सोचें।

अंग्रेज़ सरकार उनके क्रांतिकारी विचारों से इतनी घबराई हुई थी कि एक अंग्रेज़ लेखक ने उन्हें 'भारतीय असंतोष का जनक' कहा था। अंग्रेजों ने उन्हें छह साल के लिए बर्मा (म्यांमार) की मांडले जेल में बंद कर दिया। जेल की तंग कोठरी में भी वे शांत नहीं बैठे; वहाँ उन्होंने 'गीता रहस्य' जैसी कालजयी पुस्तक की रचना की। 1 अगस्त 1920 को इस महान कर्मयोगी ने दुनिया से विदा ली। प्यारे बच्चों, लोकमान्य तिलक का जीवन हमें सिखाता है कि हमेशा सच की राह पर चलो, किसी गलत बात के आगे कभी सिर मत झुकाओ और अपने स्वाभिमान व देश के लिए सदैव समर्पित रहो।

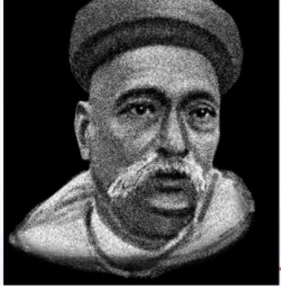

...........✍️
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

📱-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org